



सांध्य दैनिक 4PM



ऐसी जवानी किसी काम की नहीं
जो अपनी मातृभूमि के काम न
आ सके।
-शहीद चंद्रशेखर आजाद

मूल्य
₹ 3/-

जिद...सच की



www.4pm.co.in



www.facebook.com/4pmnewsnetwork



@Editor_SanjayS



YouTube



4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 257 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 26 अक्टूबर, 2026

भारत ने दूसरा वनडे 121 रन...

7

पंजाब में विधानसभा चुनाव की आहट...

3

नए साथी पीडीए का पिलर, विस...

2

सुरों से सजेगी शाम, 4PM की नई उड़ान '4पीएम तहजीब' का मुंबई में हुआ धमाकेदार आगाज



» पहली ही संध्या में कविता और भारतीय शास्त्रीय संगीत का अद्भुत संगम
» वैष्णवी शर्मा की प्रस्तुतियों ने बांधा समां, संजय शर्मा ने किया हर महीने सांस्कृतिक आयोजन का एलान

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। प्रकाशन, सोशल मीडिया, यूट्यूब और फिल्मों के बाद 4PM ने संस्कृति के क्षेत्र में भी नई पारी शुरू कर दी है। 4PM के संपादक संजय शर्मा ने '4PM तहजीब' के नाम से हर महीने सांस्कृतिक संध्या सजाने का एलान ही नहीं किया बल्कि इसकी शुरुआत भी यादगार बना दी।

मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित वेदा कुंज ऑडिटोरियम में आयोजित पहली संध्या में गायिका वैष्णवी शर्मा के सुरों और काव्य प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि खचाखच भरे सभागार में श्रोता कविता और भारतीय शास्त्रीय संगीत के संगम में डूबे नजर आए। संगीत, साहित्य, सिनेमा और सार्थक संवाद को एक मंच पर लाने वाली इस पहल ने पहली ही प्रस्तुति से अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया।



कविता के शब्द रागों के सुर और भावनाओं का जादू

4पीएम तहजीब के पहले शो में वैष्णवी शर्मा ने जैसे ही अपनी आवाज में सुरों की यात्रा शुरू की श्रोताओं का ध्यान मंच पर टिक गया। कविता के भावों को भारतीय शास्त्रीय संगीत के रागों के साथ पिरोती उनकी प्रस्तुतियों ने शब्दों को नई अनुभूति दी। कहीं ओज था कहीं भावनाओं की तीव्रता और कहीं सुरों की शांति हर प्रस्तुति अपने अलग रंग में सामने आई। वैष्णवी शर्मा ने 'राम की चेतावनी' को राग बैरगी मैरव के साथ प्रस्तुत किया। 'विराटजयी' की प्रस्तुति राग मधुवंती पर आधारित रही। 'कुपित याज्ञसेनी' में राग पूरिया धनाश्री और पंतुवल्ली का रंग सुनने को मिला जबकि 'सब अनहद है' को राग जयजयवंती और गैरवी के साथ प्रस्तुत किया गया। इन रचनाओं में कविता का ओज, भावनाओं की गहराई और शास्त्रीय संगीत की बारीकियां एक साथ उमरकर सामने आईं। प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को कविता के कथ्य और संगीत की अनुभूति को एक साथ ग्रहण करने का अवसर दिया। समागार में दर्शकों की तन्मयता और बड़ी संख्या में उनकी मौजूदगी ने आयोजन को विशेष बना दिया।



जारी रहेगा कारवां

कार्यक्रम के अंत में 4पीएम की एमडी बबिता चतुर्वेदी ने उपस्थित सभी दर्शकों का हार्दिक



धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आप लोग दूर-दराज से इस कार्यक्रम में आए संगीत को इतने प्रेम और ध्यान से सुना और हमारी पहली कोशिश को इतना स्नेह दिया इसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। आपकी

उपस्थिति और प्यार हमारे लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन है। स्वयं भी एक अच्छी गायिका बबिता चतुर्वेदी ने कहा कि संगीत लोगों को जोड़ता है और 4पीएम तहजीब के माध्यम से ऐसी आत्मीय संगीत संध्याओं और सांस्कृतिक मुलाकातों का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

हर महीने नए गीत हर महीने नई फिल्म

संजय शर्मा ने 4पीएम की आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि '4पीएम म्यूजिक' के माध्यम से हर महीने नए गीत जारी किए जाएंगे। वहीं '4पीएम फिल्म' के अंतर्गत हर महीने शॉर्ट फिल्मों के निर्माण की योजना है। उन्होंने कहा कि अच्छी कहानियों नए विचारों और प्रतिभाशाली कलाकारों को मंच देने के लिए संस्थान लगातार काम करेगा। संगीत, फिल्म और सांस्कृतिक आयोजनों के जरिए दर्शकों के साथ एक व्यापक और आत्मीय संबंध बनाने की कोशिश की जा रही है। '4PM तहजीब' की मासिक संख्याएँ इसी प्रयास को आगे बढ़ाएंगी। इस मंच पर कला की विभिन्न विधाओं को एक साथ लाने और कलाकारों को सीधे दर्शकों से जोड़ने की परिकल्पना है।



सजेगी संस्कृति की महफिल नई प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

वरिष्ठ पत्रकार और फिल्म 'सहिया' के निर्माता-निर्देशक संजय शर्मा ने '4PM तहजीब' की परिकल्पना को साझा करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत का एलान किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसी एक शाम तक सीमित नहीं बल्कि निरंतर चलने वाली सांस्कृतिक यात्रा की पहली कड़ी है। इसके अंतर्गत हर महीने एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें संगीत, साहित्य, अभिनय और संवाद की दुनिया से जुड़े कलाकारों को दर्शकों के सामने अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। 4पीएम के संजय शर्मा के अनुसार इस पहल का उद्देश्य कलाकारों और दर्शकों को एक ऐसे मंच पर लाना है जहां कला का आनंद लेने के साथ उसके पीछे के विचारों अनुभवों और संवेदनाओं को भी समझा जा सके। स्थापित कलाकारों के साथ नई प्रतिभाओं को अवसर देने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता/सोशल मीडिया/फिल्मस के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के बाद 4पीएम अब संगीत और सिनेमा के क्षेत्र में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। '4PM तहजीब' इसी व्यापक सोच का हिस्सा है जिसके माध्यम से संस्कृति की समृद्ध परंपरा को नियमित आयोजनों के जरिए दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान संजय शर्मा ने अपनी फिल्म 'सहिया' के विषय और उसके निर्माण से जुड़ी यात्रा पर भी बात की। उन्होंने बताया कि सेंसर बोर्ड से मंजूरी नहीं मिलने के कारण फिल्म का प्रदर्शन रुका हुआ है और मामला अदालत के समक्ष विचाराधीन है। संजय शर्मा के अनुसार हाईकोर्ट के आदेश के तहत सेंसर बोर्ड को 27 अक्टूबर तक फिल्म के संबंध में अपना अंतिम निर्णय देना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिल्म जल्द दर्शकों तक पहुंचेगी और उसे उनका भरपूर स्नेह मिलेगा।

सहिया पर फैसला अदालत के निर्देश के दायरे में



नए साथी पीडीए का पिलर, विस में मिलेगी बड़ी जीत: अखिलेश यादव

» सपा में नई जॉइनिंग से पूरब से पश्चिम तक राजनीतिक हलचल बढ़ी
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा और उसकी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। बता दें सोमवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान विभिन्न दलों से आए नेताओं का स्वागत किया।

पूर्व आईएस राम बहादुर पासी, कुशाग्र शाक्य, विनोद शाक्य और बसपा से जुड़े राम बहादुर पाल समेत कई नेताओं ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। अखिलेश यादव ने कहा कि नई जॉइनिंग से पूरब से पश्चिम तक राजनीतिक हलचल हुई है। उन्होंने नए साथियों को पीडीए का पिलर बताते हुए कहा कि आने वाले समय में जीत बड़ी होने जा रही है। दारा सिंह प्रजापति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जिनके साथ दारा होंगे, अखाड़ा वही जीतेंगे। उन्होंने राम नाम का जिक्र करते हुए कहा, जिनके नाम में राम जुड़ा हो, उनके बन जाएंगे सब काम।



दारा सिंह बोले- सपा के लिए काम करने आया हूं

बसपा से आए दारा सिंह प्रजापति ने कहा कि वह कुछ लेने नहीं, बल्कि समाजवादी पार्टी के लिए काम करने आए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा कांशीराम के विचारों पर चल रही है।

शिवपाल यादव और सलीम शेरवानी ने भी जताया भरोसा

सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने कहा कि पार्टी में लगातार नेता और लोग शामिल होते रहेंगे। उन्होंने सरकार पर देश को तोड़ने और बाढ़ाचार के आरोप लगाए। शिवपाल ने नए सदस्यों को भरोसा दिलाया कि उन्हें निराश नहीं होने दिया जाएगा। पूर्व सांसद सलीम शेरवानी ने बताया कि सभी सीटों पर सपा की जीत का दावा किया। प्रेसवार्ता में अमेरिका से आई शमीना प्रवीन ने कहा कि वह चाहती हैं कि दूसरे देश भारत को विश्व गुरु के रूप में मानें।

नेताओं के आने से पार्टी मजबूत होगी

अखिलेश यादव ने कहा कि कुशाग्र सागर के आने से समाजवादी पार्टी को मजबूती मिली है। वहीं, विनोद शाक्य की बदायूं के दातागंज और आसपास के क्षेत्रों में समाज को जोड़ने में भूमिका रही है। सपा नेतृत्व ने इन नेताओं के पार्टी में शामिल होने को संगठन के विस्तार से जोड़कर देखा।

सरकार बनी तो आउटसोर्सिंग खत्म करेंगे

अखिलेश यादव ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर अवकाश देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर आउटसोर्सिंग व्यवस्था खत्म की जाएगी और सफाई कर्मचारियों के हित में विशेष घोषणा की जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि गरीब परिवारों को उनके घरों का मालिकाना हक दिलाने की दिशा में काम किया जाएगा। जिन गरीबों के पास घर नहीं हैं, उनके लिए अलग से आवास बनाकर देने की व्यवस्था की जाएगी।

एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का हुआ जोरदार स्वागत



□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष, राहुल गांधी के आज सुलतानपुर जाते समय लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने पर उग्र कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' विधायक के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजनों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा फूल-मालाओं एवं गगनभेदी नारों के साथ भव्य स्वागत किया गया।

श्री गांधी का एयरपोर्ट पर स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से राज्यसभा में उपनेता-सांसद प्रमोद तिवारी, पूर्व सांसद पीएल पुनिया, कांग्रेस



विधानमंडल दल के नेता विरेन्द्र चैधरी, अभा कांग्रेस कमेटी के सचिव-सहप्रभारी उग्र अब्दुल हन्तान, प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेन्द्र निषाद, कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष श्री रुद्र दमन सिंह बबलू, शहर अध्यक्ष उत्तरी श्री अमित श्रीवास्तव त्यागी सहित सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे।

तेलंगाना बना राहुल गांधी का एटीएम: केटीआर

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के शासन में तेलंगाना 'कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए एटीएम' बन गया है। यहां बीआरएस के एक कार्यक्रम में उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने 'छात्रों की गुंज' के बारे में बात करते हुए देशभर का दौरा किया, लेकिन उनमें तेलंगाना आने का 'साहस नहीं' है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेड्डी के भाइयों की कारोबारी गतिविधियों और अन्य मुद्दों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बीआरएस नेता ने राहुल गांधी पर तेलंगाना में कथित भ्रष्टाचार, लूट और घोटालों की 'अनदेखी करने' का आरोप लगाया। रामा राव ने सवाल किया, '2023 के चुनाव से पहले राहुल गांधी ने तेलंगाना की जनता से 420 वादे किए थे। कांग्रेस ने 100 दिन के भीतर चुनावी छह गारंटी लागू करने, 13 घोषणाओं को पूरा करने और सभी 420 वादों को पूरा करने का वादा किया था एक हजार दिन से अधिक बीत चुके हैं। राहुल गांधी के 420 वादों का क्या हुआ?' उन्होंने कहा, 'जहां दिल्ली में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार लोगों को बांट रही है, वहीं तेलंगाना में कांग्रेस सरकार राज्य को लूट रही है।' मुख्यमंत्री के खिलाफ बीआरएस नेता के बार-बार लगाए जाने वाले आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस नेता आदि श्रीनिवास ने कहा था कि रामा राव को अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने चाहिए।



बीआरएस ने सीएम रेवंत को घेरा

लोकतंत्र को बचाने के लिए रामलीला मैदान में आएंगे आम लोग: खरगे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को भाजपा पर अपना हमला और तेज कर दिया। उन्होंने देश भर के नागरिकों से एक भावपूर्ण सार्वजनिक अपील की और उनसे 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली वोट बचाओ-देश बचाओ रैली में शामिल होने का आग्रह किया, जिसका आयोजन इंडिया गठबंधन द्वारा किया जा रहा है।

एक्स पर अपनी अपील पोस्ट करते हुए, खरगे ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है, जबकि उन पर मतदाताओं को व्यवस्थित रूप से रोकने और डिजिटल गडबडियां करने के गंभीर आरोप लग रहे हैं। हाल ही में सामने आए खुलासों और सूचना के अधिकार आवेदनों पर मिले जवाबों का हवाला देते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार और भारत निर्वाचन आयोग दोनों पर कड़े आरोप लगाए। खरगे ने कहा कि वोट चोरी के अनगिनत खुलासों के बाद भी, मोदी सरकार ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए हर संभव हथकंडा अपना रही है।

बीजेपी और चुनाव आयोग की मिलीभगत

उन्होंने लिखा कि बीजेपी और चुनाव आयोग की मिलीभगत के खिलाफ इंडिया गठबंधन की तीन मुख्य मांगें स्पष्ट हैं- 1. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और उन्हें सुरक्षा देने वाला 2023 का कानून रद्द किया जाए। 2. एसआईआर 1 तुरंत रोक जाय। मतदाता सूची से अवैध रूप से हटाए गए लोगों के नाम वापस जोड़े जाएं। 3. सभी चुनाव पेपर बैलेट से कटाए जाएं। कांग्रेस अध्यक्ष ने 1 नवंबर के प्रदर्शन को केवल चुनावी विवाद नहीं, बल्कि सविधान को बचाने की एक बड़ी लड़ाई बताते हुए लोगों से इसमें बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की। खड़गे ने कहा कि यह सिर्फ वोट बचाने की लड़ाई नहीं है, बल्कि सविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता का संघर्ष है। मैं देश के हर जागरूक नागरिक से अपील करता हूँ - 1 नवंबर को दिल्ली आएँ! रामलीला मैदान में %वोट बचाओ-देश बचाओ जन मार्च और विशाल रैली में शामिल हों। जय हिंद! जय सविधान!

है! उन्होंने आगे कहा कि जब आरटीआई के जरिए एसआईआर में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी मांगी गई, तो चुनाव आयोग ने व्यापारिक गोपनीयता (ट्रेड सीक्रेट्स) का हवाला देकर जवाब देने से

खरगे के बयान पर भड़के राजनाथ सिंह, कहा- मर्यादा न लांघें

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पलटवार किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मेरा मानना है कि यह केवल किसी व्यक्ति या परिवार का अपमान नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति की मर्यादा पर हमला है। लोकतंत्र में आप अपना विरोध जता सकते हैं, नीतियों पर सवाल उठा सकते हैं और सरकार की आलोचना कर सकते हैं-लेकिन कृपया, व्यक्तिगत मर्यादा की सीमाएं न लांघें। मेरी यही सलाह है। आज कांग्रेस न केवल राजनीतिक रूप से कमजोर हुई है, बल्कि मेरी नजर में, वैचारिक रूप से भी उसका पतन हुआ है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र में जनता हर चीज पर नजर रखती है और सही समय आने पर इसका करारा जवाब देती है। मैं कांग्रेस को यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसी टिप्पणियों से न तो विचलित होंगे और न ही जनता की सेवा करने के उनके संकल्प में कोई कमी आएगी। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कांग्रेस नेतृत्व पर सार्वजनिक चर्चा के स्तर को गिराने का आरोप लगाया और बिना शर्त माफी की मांग की। खड़गे की विवादित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, केसवन ने कहा कि यह राहुल गांधी की असम्य, संस्कारहीन और जहरीली नफरत वाली राजनीति को दर्शाती है। उन्होंने कांग्रेस पर प्रधानमंत्री के खिलाफ बार-बार व्यक्तिगत हमले करने का भी आरोप लगाया।

इनकार कर दिया। उत्तर प्रदेश में, फॉर्म-6 के 16.18 लाख आवेदनों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। पीलीभीत में, 10,470 मतदाताओं के रिकॉर्ड में गडबडियां पाई गईं। अब, उन्हें पूरे राज्य में फॉर्म 6, 7 और 8 की जांच का आदेश देने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

भाजपा को रोकने के लिए विपक्ष से हाथ मिलाने को तैयार: ओवैसी एआईएमआईएम प्रमुख बोले- वह योगी को तीसरी बार सीएम बनते नहीं देखना चाहते

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में आने से रोकने के साझा उद्देश्य के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाने को तैयार है।

ओवैसी ने शामली जिले के कैराना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी भाजपा की सरकार बनने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।



उन्होंने कहा कि वह योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते नहीं देखना

चाहते। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि अगर अन्य विपक्षी दलों का भी भाजपा को सत्ता से बाहर रखने का यही उद्देश्य है, तो उनकी पार्टी उनके साथ सहयोग करने को तैयार है। ओवैसी ने विपक्षी दलों पर अल्पसंख्यकों और समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से नहीं उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के शासनकाल में मस्जिदों को गिराए जाने और कथित 'हाफ एनकाउंटर' की घटनाएं जारी हैं,

लेकिन विपक्षी दल इन मुद्दों पर आवाज नहीं उठा रहे हैं। हैदराबाद से सांसद ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की प्राथमिकता केवल अपने मतदाताओं तक सीमित रह गई है और वे अल्पसंख्यकों तथा अन्य वंचित वर्गों की समस्याओं को उठाने में विफल रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि अगर विपक्षी दल वास्तव में भाजपा को सत्ता से बाहर रखना चाहते हैं, तो उन्हें अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से काम करना होगा।



बामुलाहिजा

कॉपी: इरफान अली

पंजाब में विधानसभा चुनाव की आहट बढ़ने लगी सियासी सुगबुगाहट कांग्रेस व आप का अकेले लड़ने के संकेत

- » भाजपा व शिअद में गठबंधन के पूरे आसार
- » राज्य में इसबार कड़ा होगा मुकाबला
- » नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड भी राजनीति का बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में जैसे-जैसे विस चुनावों की आहट सामने सुनाई दे रही है वैसे-वैसे वहां सियासी सुगबुगाहट भी तेज हो गई है। जहां कांग्रेस व सत्ताधारी आप अकेले-अकेले लड़ने की योजना पर काम कर रहे हैं। वहीं भाजपा व शिअद मिलकर लड़ने की रणनीति बनाने लगे हैं। चुनावी साल को देखते हुए कांग्रेस ने अपने अंदर चल रहे मतभेदों को दूर करने के लिए कुछ बागी नेताओं को चेतावनी देकर शांत करा दिया है। राज्य के प्रभारी सचिन पायलट खुद निगरानी रख रहे हैं।

वहीं आप जहां अपनी सरकार की उपलब्धियां हर मंच से उठाकर पंजाब की जनता को एकबार मौका देने की गुजारिश कर रही है। इसबीच बसपा समेत कई अन्य दल भी हाथ आजमाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा नीत एनडीए में फिर से शामिल होने के संकेत दिए हैं। राज्यपाल से मुलाकात के बाद उन्होंने आप और कांग्रेस को अपना मुख्य विरोधी बताया। बादल ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य की बेहतरी के लिए समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन को तैयार है। वहीं नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड भी इसबार राजनीति का बड़ा मुद्दा बन सकता है। हालांकि पंजाब सरकार ने नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड में डीएसपी हरजिंदर सिंह गिल और ड्रग इंस्पेक्टर नरेश कुमार को निर्लंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने परिवार की मांग स्वीकार करते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है। 13 अक्टूबर को मानसा में झोटा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।



आप और कांग्रेस पर बरसे बादल

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने संकेत दिया कि उनकी पार्टी अगले साल की शुरुआत में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में फिर से शामिल हो सकती है। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा और उन्हें राज्य में अपना मुख्य राजनीतिक विरोधी बताया। बिना बीजेपी का नाम लिए, बादल ने कहा कि उनकी पार्टी पंजाब की बेहतरी के लिए समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करने को तैयार है।

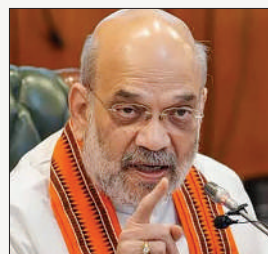


राज्यव्यापी यात्रा निकालेगा शिअद

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने कहा कि वह पंजाब में एक राज्यव्यापी यात्रा निकालेगा, जिसकी शुरुआत 10 नवंबर को तलवंडी साबो स्थित श्री दमदमा साहिब से होगी। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में निकाली जाने वाली यह यात्रा तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण के तहत 10 से 22 नवंबर तक यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का दूसरा चरण श्री आनंदपुर साहिब और तीसरा चरण श्री अकाल तख्त साहिब से शुरू होगा। पार्टी के अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और युवा संगठनों के साथ बैठकों की श्रृंखला पूरी होने के बाद वरिष्ठ नेता दलजीत चीमा ने यह जानकारी दी। इन बैठकों की अध्यक्षता बादल ने की थी। चीमा ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष ने चुनावी घोषणापत्र में शामिल किए जाने वाले मुद्दों पर इन संगठनों से सीधे प्रतिक्रिया ली और पार्टी संगठन को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठनों से मिली प्रतिक्रियाओं पर 24 अक्टूबर को पार्टी की चुनावी घोषणापत्र समिति की अगली बैठक में विचार किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मान सरकार पर किया था हमला

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि धरने-प्रदर्शनों से कुछ हासिल नहीं होगा तथा पंजाब में अगली सरकार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बनेगी। शाह ने दिल्ली में यमुना की सफाई के लिए 8,941 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यमुना को साफ करने



के बाद 2029 में जनता से जनादेश मांगेगी। शाह ने कांग्रेस और 'आप' पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ गठबंधन पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन

(ईवीएम) से छेड़छाड़ और वोट चोरी के आरोप लगाए हैं लेकिन वे कई राज्यों में दशकों से सत्ता से बाहर हैं। शाह ने यमुना की सफाई की योजनाओं का ब्योरा देते हुए दिल्ली की पिछली कांग्रेस और 'आप' सरकारों पर नदी में सीवर का पानी बहने देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अब यमुना में गिरने वाले सीवर के पानी की मात्रा कम करने में सफल रही है। शाह ने 'आप' के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना

साधते हुए कहा कि "बहानेबाजी की राजनीति" पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव में 'आप' को नहीं बचा पाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग राजग की सरकार चाहते हैं। शाह ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव में 'आप' का सफाया हो जाएगा। शाह ने यह भी कहा कि पंजाब में राजग की सरकार बनने के बाद राज्य में नशीले पदार्थों की तस्करी की मौजूदा समस्या को खत्म कर दिया जाएगा।

घोषणापत्र एक नवंबर को जारी करने की तैयारी

उन्होंने बताया कि घोषणापत्र एक नवंबर को जारी किया जाएगा। बादल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पंजाब सरकार का 'युद्ध नले के विरुद्ध' अभियान नशे की समस्या खत्म करने के बजाय नशा विरोधी कार्यकर्ताओं और इसकी जानकारी देने वालों की हत्या का कारण बन रहा है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य में संकट के बावजूद वह पेरिस की सैर के लिए विमान से जाने की अनुमति हासिल करने के वास्ते 'दर-दर मटक' रहे हैं।

अपनी नाकामियों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही भाजपा : संजय सिंह

दूसरी ओर, पंजाब में नशे के खिलाफ चल रही लड़ाई भी सियासी रंग ले चुकी है। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह चुनावी फायदे के लिए केंद्रीय एजेंसियों और मादक पदार्थों के मुद्दे का दुरुपयोग कर रही है और पंजाब की मगवत मान सरकार को निशाना बना रही है। संजय सिंह ने कहा कि बीजेपी



2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले नशे के मुद्दे का राजनीतिकरण कर अपनी नाकामियों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

राज्य में नशे को मुद्दा बनाने की योजना

बादल ने कहा, मगवत मान को पंजाबियों को बताना चाहिए कि विदेशी यात्राओं के बावजूद वह राज्य में विदेशी निवेश लाने में क्यों नाकाम रहे हैं। बैठक में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसमें शिअद ने शोक संतप्त परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर्षमय प्रयास करने का संकल्प लिया।

सीबीआई को सौंपी जाएगी परविंदर सिंह झोटा हत्या मामले की जांच

पंजाब सरकार ने नशा-विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले में डीएसपी हरजिंदर सिंह गिल और ड्रग इंस्पेक्टर नरेश कुमार को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई तब हुई है जब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की कि झोटा की हत्या की जांच सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन-सीबीआई को सौंपी जाएगी। उन्होंने यह फैसला कार्यकर्ता के परिवार की मांग को मानते हुए लिया है। मान ने मंगलवार को इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार झोटा के पिता और उनके परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। परिवार इस हत्या की जांच सीबीआई से कराने की मांग कर रहा था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, मान ने कहा कि परिवार की मांग को देखते हुए सरकार ने इस मामले को सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है। उन्होंने पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए सरकार कई कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी। उनकी यह घोषणा ऐसे समय में



आई है, जब झोटा के परिवार ने हत्या से जुड़ी परिस्थितियों की जांच किसी केंद्रीय एजेंसी से कराने की मांग की थी। डीएसपी हरजिंदर सिंह गिल और ड्रग इंस्पेक्टर नरेश कुमार का निलंबन इस मामले में एक नया घटनाक्रम है। हालांकि,

उपलब्ध जानकारी में उनके निलंबन के ठोस कारणों का विवरण नहीं दिया गया है। परविंदर सिंह झोटा मेडिकल स्टोर्स पर नशीली दवाओं की कथित अवैध बिक्री के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जाने जाते थे। 13 अक्टूबर को पंजाब के मानसा में एक व्यस्त बाजार में स्थित एक मेडिकल स्टोर के अंदर गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब झोटा ने दुकान पर एक बुजुर्ग व्यक्ति को नशीली दवाएं बेचे जाने पर सवाल उठाया। आरोप है कि दुकान के मालिक अश्वनी कुमार ने झोटा पर गोली चला दी। इस हत्या के बाद, उनके परिवार ने मामले की गहन जांच की मांग की है। परिजनों का जोर है कि यह मामला सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। बताया जाता है कि जब गोलीबारी हुई, तब झोटा फेंसबुक पर लाइव ब्रॉडकास्ट कर रहा था। यह घटना एक मेडिकल स्टोर के अंदर हुई, जहाँ नशीली दवाओं की कथित बिक्री को लेकर विवाद हो गया था। मिली जानकारी के अनुसार, हत्या के बाद अश्वनी कुमार को राजस्थान के सालासर से हिरासत में ले लिया गया।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

मानसिक स्थिति पर निर्भर है अच्छा स्वास्थ्य

66

मन शांत और प्रसन्न है, सोच सकारात्मक है तो शरीर भी ऊर्जावान और स्वस्थ रहता है। इसके विपरीत यदि मन में तनाव, चिंता, नकारात्मकता या अहंकार भरा रहता है, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे शारीरिक स्वास्थ्य, और चेहरे पर दिखाई देने लगता है।

कहावत है जैसा मन वैसा तन यानी मनुष्य का शरीर और उसका स्वास्थ्य सीधे तौर पर मानसिक स्थिति पर निर्भर करता है। जैसा व्यक्ति सोचता है, वैसा ही उसका जीवन बन जाता है। यदि मन शांत और प्रसन्न है, सोच सकारात्मक है तो शरीर भी ऊर्जावान और स्वस्थ रहता है। इसके विपरीत यदि मन में तनाव, चिंता, नकारात्मकता या अहंकार भरा रहता है, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे शारीरिक स्वास्थ्य, और चेहरे पर दिखाई देने लगता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार एक अरब लोग किसी न किसी मानसिक अस्वस्थता की स्थिति के साथ जी रहे हैं। इनमे से दो-तिहाई लोग सिर्फ चिंता और अवसाद झेल रहे हैं, जो कि युवाओं में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। आंकड़ों की मानें तो वर्ष 2011 से 2021 के बीच इस तरह की घटनाएं 20-29 वर्ष के युवाओं में देखी गई और दुर्भाग्य यह है कि भारत में केवल 10 प्रतिशत लोगों को ही मानसिक स्वास्थ्य केयर मिलती है। सरकारें मानसिक स्वास्थ्य पर कुल स्वास्थ्य बजट का केवल एक प्रतिशत ही खर्च करती हैं।

यह कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.26 फीसदी ही है। जिसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। विशेष रूप से आज के समय में जब अधिकांश युवा और बच्चे शिक्षा, रोजगार और भविष्य की अनिश्चितता को लेकर तनाव में रहने लगे हैं। एनसीआरबी के अनुसार 2023 में भारत में 13,892 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की, जिसका कारण केवल परीक्षाओं में विफलता या विफलता का डर या दबाव ही नहीं था, बल्कि पारिवारिक समस्याएं, आर्थिक स्थिति, रिलेशनशिप और कुछ हद तक बीमारी भी थी। समाज उन्हें एक मानसिक रोगी के रूप में देखने लगता है। जबकि सत्य यह है कि वह रोगी नहीं है, अगर शुरू में ही उसने अपने लक्षणों को पहचान कर चिकित्सीय या मनोवैज्ञानिक सहायता की जरूरत समझी। अनेक अध्ययनों में सामने आया है कि 6 घंटे से कम नींद लेने वालों को अवसाद/डिप्रेशन का खतरा ढाई गुना बढ़ जाता है। दो सप्ताह से ज्यादा उदासी, भूख में बड़ा बदलाव, काम या पढ़ाई में मन न लगना, खुद को अलग-थलग अनुभव करना, चिड़चिड़ापन ऐसे लक्षण हैं, जिन्हें पहचान कर तुरंत मदद की आवश्यकता अनुभव होनी चाहिए। जर्मन समाजशास्त्री हार्टमुट रोजा के अनुसार आधुनिक और उत्तर-आधुनिक समाज की सबसे बड़ी विशेषता रफ्तार या तेजी है। उन्होंने बताया कि आधुनिक जीवन में सब कुछ बहुत तेजी से बदल रहा है। उन्होंने इसके तीन आयाम बताए हैं- तकनीक की रफ्तार, सामाजिक परिवर्तन की रफ्तार और जीवन की गति की रफ्तार। इसके कारण मनुष्य लगातार भागदौड़ करता रहता है लेकिन हमारा दिमाग इनकी रफ्तार के साथ समायोजन नहीं कर पाता।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र में असहमति के बीच अभिव्यक्ति का हक

ज्योति मल्होत्रा

गत सप्ताहांत सारा ध्यान गुजरात के तटीय इलाके में काठियावाड़ी शहर, जामनगर की ओर खिंच गया, जहां दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो वहां रिफाइनरी के मालिक मुकेश अंबानी के उस फैसले की तारीफ करने पहुंचे, जिसमें रूस से तेल आयात कम करने और इसकी बजाय टेक्सास में एक रिफाइनरी बनाने के लिए 300 बिलियन डॉलर के निवेश का निर्णय लिया गया। रुबियो दिल्ली भी नहीं आ रहे हैं। इसका मतलब है कि वे प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात नहीं करेंगे। हाल के समय में ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई अमेरिकी नेता भारत आए और प्रधानमंत्री से न मिले। इसकी बजाय, विदेश मंत्री एस. जयशंकर मुंबई उनसे भेंट करने पहुंचेंगे, जहां जामनगर जाते समय रुबियो को कुछ देर रुकना है। तो, इसका दिल्ली में चल रहे जन-विरोध प्रदर्शनों से क्या लेना-देना है, जहां दिल्ली पुलिस लगातार लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं और 'काँकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के समर्थकों को बेरहमी से उठा रही है।

जिसके सभी शीर्ष नेताओं को भी पुलिस ने पिछले हफ्ते हिरासत में ले लिया। इसका कुछ जवाब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सोशल मीडिया टाइमलाइन पर मिलता है। रुबियो के दिल्ली न आने की खबर पर, गांधी ने 'एक्स' (ट्विटर) पर तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा, 'मिस्टर रुबियो ने अपने कर्मचारी को मुंबई तलब किया है'। यह स्पष्ट नहीं है कि जयशंकर-रुबियो की मुलाकात में क्या भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आगे कुछ होने की घोषणा होगी। मोदी सरकार के लिए दांव पर बहुत कुछ लगा है-अगर उसे नैरेटिव पर अपना नियंत्रण बनाए रखना है तो राजधानी में चल रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर सुर्खियों से लोगों का ध्यान हटाना ही होगा। बारह सालों में पहली बार, 'इंडिया' गठबंधन के हमले सही निशाने पर लग रहे। निस्संदेह सीजेपी समर्थकों,

नेहा बोरा और उनके सीपीआई-एमएल कार्यकर्ताओं के साथ-साथ देशभर से आ रहे छात्रों के प्रतिबद्ध विरोध प्रदर्शनों ने इसकी गुंज बढ़ा दी है।

निश्चित रूप से, जेएनयू की इस युवा छात्रा ने जिस जोश और वाकपटुता से अपनी राजनीतिक विचारधारा को सामने रखा है, उसने इंस्टाग्राम पर मीम और गेम्स के दीवाने भारतीयों की कल्पना को पूर्णतया अपनी ओर खींच लिया - जिनमें से एक गेम का नाम 'भाग, नेहा, भाग' है। तथापि, माहौल विरोधाभास भरा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने दिल्ली के दिल, कर्नाट प्लेस में 'तिरंगा रैली' निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और सीजेपी के

बुद्धिरूपेण संस्थिता), तब यह स्पष्ट नहीं है कि इस 'अच्छाई की लड़ाई' में कौन जीत रहा है, या कौन अच्छा है और कौन बुरा। सिर्फ इतना कि दुनिया का दायरा सिमटता जा रहा है। उदाहरणतया, जो व्यक्ति तिरंगा फहराना चाहता है, क्या वह एक 'अच्छा' इंसान है या 'उतना अच्छा नहीं'? आखिरकार, राष्ट्रीय ध्वज फहराना तो एक अच्छाई की श्रेणी में आता है। लेकिन दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर और कर्नाट प्लेस, दोनों जगहों को ही पहुंच के बाहर घोषित कर डाला है, क्योंकि इनमें से कोई भी विरोध-प्रदर्शन के लिए तय की गई जगह नहीं रही। रामलीला मैदान ऐसी जगह है, लेकिन वह इस साल के बाकी दिनों-सिवाय



शीर्ष नेतृत्व को हिरासत में ले लिया। जबकि उसी मुंबई में, जहां जयशंकर की मुलाकात रुबियो से होनी है, बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान -जो एक अमेरिकी नागरिक हैं और ओसीआई कार्ड धारक हैं-उन्हें वापस अपने देश लौटने के लिए कह दिया गया, क्योंकि उन्होंने सीजेपी की रैली में हिस्सा लिया था। वहीं जब जामनगर में अंबानी रुबियो की मेजबानी करेंगे, तो कक्ष में मौजूद हर व्यक्ति को एलन मस्क का ख्याल जरूर आएगा- जो डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी हैं और खुलेआम और बारंबार अंबानी के खिलाफ बयान दिए - हालांकि इस बारे में कोई कुछ कहेगा नहीं। बुराई पर अच्छाई की विजय के इस त्योहारी सप्ताह में, जब देवी दुर्गा धरती पर आती हैं और महिषासुर के अंत की घोषणा करती हैं (या देवी सर्वभूतेषु

तीन दिनों के-पहले ही बुक हो चुका है। वहां का किराया भी 1.21 लाख रु. प्रतिदिन है। और इस तरह, हमारे सामने एक नैतिक दुविधा खड़ी हो गई है। अब सवाल यह नहीं रहा कि कोई 'राष्ट्र-विरोधी' है या नहीं।

सवाल यह है कि क्या दिल्ली पुलिस के फैसलों से ऊपर भी कोई है? सारे घटनाक्रम से लग रहा है कि राहुल गांधी ने तय कर लिया है कि कांग्रेस को सीजेपी और अन्य सियासी संगठनों द्वारा अपना-अपना विरोध प्रदर्शन करते रहने दिया जाए। साथ ही, वे 'इंडिया' गठबंधन की सभी पार्टियों को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं-खुद बड़े नेताओं को फोन कर शामिल होने के लिए आग्रह कर रहे हैं। मकसद यह दिखाना है कि मतभेदों के बावजूद, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे के मुद्दे पर विपक्ष एकजुट है।

सुरेश सेठ

अब चाहे दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति अमेरिका हो या रूस और चीन, सभी का लक्ष्य प्राकृतिक साधन-संपन्न छोटे देशों के संसाधनों का अनैतिक दोहन करना है। छीना-झपटी करके, युद्ध छेड़कर वे उन्हें अपने देश के लिए हथिया लेना चाहते हैं। चाहे ईरान के कच्चे तेल से लेकर संवर्धित यूरेनियम तक के भंडार हों या फिर यूक्रेन के रेयर अर्थ मिनरल्स, अमेरिका हो या रूस, वे सैन्य बल के साथ इन खनिज पदार्थों को अपना बना लेना चाहते हैं। लेकिन तीसरी दुनिया के देशों को भी विकास पथ पर अग्रसर होने का मौका मिलना चाहिए। इस दर्शन पर कोई शक्तिशाली देश विश्वास नहीं करता। पिछले दिनों दिल्ली में पहली बार आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के तीन दिवसीय चिंतन-सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक चिंतन से प्रगतिशील दुनिया के लिए नए द्वार खोले हैं। वसुधैव कुटुम्बकम की बात हम हमेशा कहते रहे हैं, लेकिन विकसित देशों की आपसी स्पर्धा और आपाधापी के बीच वे युद्ध, विस्तार और तबाही के आयुधों के साथ दुनिया के संसाधनों पर कब्जा करने में जुटे हैं। ऐसे में भारत और मोदी आर्थिक चिंतन का एक नया पक्ष लेकर इस सम्मेलन में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे आध्यात्मिक चिंतन वाले देशों ने हमेशा पूरी दुनिया के साथ कदमताल बनाते हुए आगे बढ़ने के प्रयास किए हैं। किसी का निवाला छीनकर, किसी को धक्का देकर नीचे गिराकर आगे नहीं बढ़ना है। एक ओर ट्रंप शांति के नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी करते रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऊर्जा के बाजार में एकाधिपत्य जमाने के लिए कमजोर देशों के

बहुजन हिताय का हो वैश्विक आर्थिक चिंतन

महाशक्तियों की तनातनी में दुनिया के शेयर बाजार ध्वस्त हो रहे हैं, जबकि भारत 7 प्रतिशत आर्थिक विकास दर की राह पर है। इसकी पुष्टि आईएमएफ ने भी की है। भारत इस आर्थिक अनिश्चितता के दौर में अपनी आर्थिक गति इसीलिए बनाए रख सका है, क्योंकि उसने सबको साथ लेकर चलने का फैसला किया है।

साथ टैरिफ वॉर छेड़ते हैं। भारत को भी धमकी है कि रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। ये देश खाड़ी देशों से आने वाले ऊर्जा भंडार को रोकने के लिए होर्मुज के रास्ते में बैठे हैं और भारी शुल्क उगाहने की धमकियों के साथ नाकाबंदी करने में लगे हैं।

लेकिन इस सम्मेलन में आर्थिक विकास के लिए सही दिशा की तलाश की जा रही है। प्रयास है कि आर्थिक अनिश्चितताओं को कम करने के लिए भरपूर प्रयास कैसे किए जाएं। भारत की आवाज है कि यह सबके साथ चलकर होगा, एक-दूसरे को धक्का देकर नहीं। धनी देश अगर अपने टैरिफ लगाकर दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ देंगे, तो वे भला आगे कैसे जाएंगे? इसलिए मोदी ने भारत के आर्थिक तंत्र



के लक्ष्य की बात की है कि बहुजन हिताय अर्थात् सबका हित हो। बहरहाल, महाशक्तियों की तनातनी में दुनिया के शेयर बाजार ध्वस्त हो रहे हैं, जबकि भारत सात प्रतिशत आर्थिक विकास दर की राह पर है। इसकी पुष्टि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी कर दी है। मोदी ने कहा कि हम इस असाधारण वातावरण में, अनिश्चितता आपूर्ति के माहौल में अपनी आर्थिक गति इसीलिए बना सके हैं, क्योंकि हमने सबके साथ चलने का फैसला किया है, किसी को गिराकर अपनी उन्नति का कार्य नहीं किया।

इसी तरह मोदी ने कहा कि कोविड की महामारी आई, तो हमने सौ देशों को कोविड के टीके बांटे और कोविड की तीसरी लहर की तबाही को टाल दिया। यह हमारा व्यावसायिक दृष्टिकोण नहीं,

मानवीय दृष्टिकोण था। हम अगर विश्व को कुटुंब की तरह लेंगे, तो इस कुटुंब में हर परिवारजन दूसरे के हितों की रक्षा करेगा। मोदी का यह कहना बिल्कुल सही है कि हम डिजिटल तकनीक, मशीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से बखूबी निपट रहे हैं। हम सब मिलकर चलें, तो यह बदलती दुनिया में ताकत का नया स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में विचार कीजिए कि ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व किस बात में है? किस उद्देश्य के लिए उसका इस्तेमाल किया जा रहा है? भले ही इन दिनों वैश्विक परिस्थितियां साथ नहीं दे रहीं, तो भी भारत प्रगति के पथ पर बढ़ा जा रहा है।

एक तरफ भू-राजनीतिक तनाव है, सप्लाई चेन में बाधा है, रणनीतिक संसाधनों को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा है और कुछ देश वैश्विक अस्थिरता का कारण बन रहे हैं। लेकिन भारत इससे अलग अपनी शक्तियों का पूर्ण मूल्यांकन करते हुए किसी से न उलझकर शांति, अहिंसा और सहकारिता के मार्ग पर चल रहा है। इसलिए आज भी उसकी आर्थिक विकास दर दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। आर्थिक चिंतन का यह सम्मेलन सन 1981 से आयोजित किया जा रहा है। भारत में यह पहली बार हुआ है। सम्मेलन में मोदी बोले, इस सहयोग मार्ग पर ही चलते हुए हमने सात प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर्ज की और अपने विदेशी मुद्रा भंडार को समृद्ध किया। हमारा चालू खाते का घाटा भी काफी कम हो गया। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि जिस मार्ग पर भारत चला है, उसमें विविधीकरण भी है और हमारे निर्यात भी बढ़ रहे हैं। अर्थात् सहयोग से तरक्की है और नकारात्मक प्रतिस्पर्धा से तबाही है।

मार्जरी आसन

इसे कैट-काउ पोजीशन भी कहा जाता है। सबसे पहले हाथों और घुटनों के बल टेबलटॉप पोजीशन में आएँ। सांस लेते हुए पीठ को हल्का नीचे की ओर ले जाएँ और सिर को सहज स्थिति में रखें। इसके बाद सांस छोड़ते हुए पीठ को ऊपर की ओर गोल करें और दुड्डी को हल्का अंदर की ओर लाएँ। पूरी प्रक्रिया आराम से करें और गर्दन को जरूरत से ज्यादा न मोड़ें। यह रीढ़ और कंधों की गतिशीलता के लिए उपयोगी हो सकता है।



बालासन

घुटनों के बल बैठें और धीरे-धीरे शरीर को आगे की ओर झुकाएँ। माथे को जमीन या किसी कुशन पर टिकाएँ और हाथों को आगे या शरीर के पास आराम की स्थिति में रखें। इस मुद्रा में सामान्य रूप से सांस लेते रहें। कुछ समय तक इसी स्थिति में रहने से शरीर को आराम मिल सकता है और कंधों में मौजूद तनाव कम करने में मदद मिल सकती है। अगर इस दौरान गर्दन में दर्द या दबाव बढ़े तो आसन तुरंत रोक दें।



गर्दन

की हल्की स्ट्रेचिंग

सीधे बैठ जाएँ और कंधों को ढीला रखें। अब गर्दन को धीरे-धीरे दाईं ओर झुकाएँ और कुछ सेकंड सामान्य स्थिति में रहें। इसके बाद बाईं ओर भी यही प्रक्रिया दोहराएँ। आप गर्दन को बहुत हल्के से ऊपर-नीचे भी कर सकते हैं। इस दौरान झटके न दें और गर्दन पर किसी तरह का दबाव न डालें। यह लंबे समय तक एक ही मुद्रा में रहने से आई जकड़न को कम करने में मदद कर सकता है।

भुजंगासन

भुजंगासन गर्दन के स्वास्थ्य के लिए एक बेहद फायदेमंद योगासन है। लगातार कंप्यूटर के सामने बैठने, गलत मुद्रा में सोने या मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल करने से गर्दन में जो तनाव आता है, उसे दूर करने में यह बहुत मदद करता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से गर्दन के पीछे की मांसपेशियाँ और कंधे मजबूत होते हैं। मजबूत मांसपेशियाँ गर्दन पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव को आसानी से झेल पाती हैं। यदि आपको सर्वाइकल की शुरुआती समस्या है, तो भुजंगासन रीढ़ की हड्डी और गर्दन के जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ाता है। पेट के बल लेटकर हथेलियों को कंधों के पास जमीन पर रखें। अब धीरे-धीरे छाती को ऊपर उठाएँ और कोहनियों को शरीर के करीब रखें। गर्दन को पीछे की तरफ बहुत ज्यादा न खींचें और कंधों को कानों से दूर रखें। कुछ सेकंड सहज स्थिति में रहने के बाद वापस नीचे आ जाएँ। यह लंबे समय तक बैठने के कारण शरीर के ऊपरी हिस्से में आई जकड़न और खराब पोस्चर पर काम करने वाली योग दिनचर्या का हिस्सा हो सकता है।



गर्दन की दर्द में राहत देंगे ये 5 योगासन

आज के समय में घंटों मोबाइल देखने और लैपटॉप पर काम करने की आदत हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। लेकिन लंबे समय तक गर्दन झुकाकर स्क्रीन देखने या एक ही मुद्रा में बैठे रहने से गर्दन और कंधों की मांसपेशियों पर दबाव पड़ सकता है। यही वजह है कि कम उम्र के लोगों में भी गर्दन में अकड़न, दर्द और भारीपन जैसी परेशानियाँ देखने को मिलती हैं। अगर आपको भी लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप इस्तेमाल करने के बाद गर्दन में दर्द महसूस होता है, तो अपनी दिनचर्या में कुछ आसान योगाभ्यास और स्ट्रेचिंग शामिल कर सकते हैं। नियमित और सही तरीके से किए गए हल्के योगाभ्यास शरीर की लचीलापन और मांसपेशियों की गतिशीलता में मदद कर सकते हैं।

ताड़ासन

सीधे खड़े होकर दोनों पैरों के बीच उचित दूरी रखें। शरीर को सीधा रखते हुए कंधों को रिलैक्स करें और सिर को आगे की ओर झुकाने से बचें। अब दोनों हाथों को ऊपर ले जाकर शरीर को हल्का ऊपर की ओर स्ट्रेच करें। कुछ सेकंड सामान्य रूप से सांस लें और फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौटें। यह शरीर की मुद्रा यानी पोस्चर पर ध्यान देने और लंबे समय तक गलत मुद्रा में रहने की आदत को सुधारने में मदद कर सकता है।



हंसना मजा है

पत्रकार- 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? बूढ़ा व्यक्ति- बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूँ...

सास: जमाई राजा अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाई: सासू मां में अगले जन्म में छिपकली बनूंगा। सास: छिपकली क्या? जमाई: क्योंकि मेरी बीवी छिपकली से बहुत डरती है।

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था, अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सबजेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला...भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया 500 का नोट निकालते हुए बोली - 400 खुले हैं? भिखारी - हां हैं मां जी, बुढ़िया - तो उससे कुछ लेकर खा लेना...

हसबैंड- आज ऐसी चाय बनाओ कि पीते ही तन बदन झूमने लगे और मन नाचने लगे। पत्नी- हमारे यहां भैंस का दूध आता है नागिन का नहीं।

कहानी

भूखी चिड़िया

सालों पहले एक घंटाघर में टीकू चिड़िया अपने माता-पिता और 5 भाइयों के साथ रहती थी। टीकू चिड़िया छोटी सी थी। उसके पंख मुलायम थे। उसकी मां ने उसे घंटाघर की ताल पर चहकना सिखाया था। घंटाघर के पास ही एक घर था, जिसमें पक्षियों से प्यार करने वाली एक महिला रहती थी। वह टीकू चिड़िया और उसके परिवार के लिए रोज रोटी का टुकड़ा डालती थी। एक दिन वह बीमार पड़ गई और उसकी मौत हो गई। टीकू चिड़िया और उसका पूरा परिवार उस औरत के खाने पर निर्भर था। एक दिन भूख से बेहाल होने पर टीकू चिड़िया के पिता ने कीड़ों का शिकार करने का फैसला किया। काफी मेहनत करने के बाद उन्हें 3 कीड़े मिले, जो परिवार के लिए काफी नहीं थे। वे 8 लोग थे, इसलिए उन्होंने टीकू और उसके 2 छोटे भाइयों को खिलाने के लिए कीड़े साइड में रख दिए। इधर, खाने की तलाश में भटक रही टीकू, उसके भाई और उसकी मां ने एक घर की खिड़की में चोंच मारी, ताकि कुछ मिल जाए, लेकिन कुछ नहीं मिला। उल्टा घर के मालिक ने उनपर राख फेंक दी, जिससे तीनों भूरे रंग के हो गए। उधर, काफी तलाश करने के बाद टीकू के पिता को एक ऐसी जगह मिली, जहां काफी संख्या में कीड़े थे। उनके कई दिनों के खाने का इंतजाम हो चुका था। वह जब खुशी-खुशी घर पहुंचा, तो वहां कोई नहीं मिला। वह परेशान हो गया। तभी टीकू चिड़िया, उसका भाई और मां वापस लौटे, तो पिता उन्हें पहचान नहीं पाए और गुस्से में उन्होंने सबको भगा दिया। टीकू ने पिता को समझाने की काफी कोशिश की। उसने बार-बार बताया कि किसी ने उनके ऊपर रंग फेंका है, लेकिन टीकू के हाथ असफलता ही लगी। उसकी मां और भाई भी निराश हो गए, लेकिन टीकू ने हार नहीं मानी। वह उन्हें लेकर तालाब के पास गई और नहलाकर सबकी राख हटा दी। तीनों अब अपने पुराने रूप में आ गए। अब टीकू के पिता ने भी उन्हें पहचान लिया और माफ़ी मांगी। अब सब मिलकर खुशी-खुशी एक साथ रहने लगे। उनके पास खाने की भी कमी नहीं थी।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

मेष 	नई योजनाओं पर काम करने के लिए दिन अनुकूल है। व्यापारिक सौदों में बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। वित्तीय लाभ मिलने के योग हैं।	तुला 	प्रभाव और दायरा बढ़ने के संकेत हैं। साझेदारी के कारोबार से लाभ होगा। पारिवारिक सुख-सौहार्द बना रहेगा। धन आगमन का मार्ग सुगम होगा।
वृषभ 	सहकर्मियों का सहयोग कार्य को आसान बनाएगा। व्यापार में नया मोड़ आएगा, लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतर होगा। रुका पैसा वापस आ सकता है।	वृश्चिक 	विरोधियों पर विजय मिलेगी, काम बनेंगे। व्यापार में मुनाफे के नए स्रोत बनेंगे। परिवार का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा। अचानक धन लाभ होने के योग हैं।
मिथुन 	आपके काम की दपत्तर में प्रशंसा होगी। व्यावसायिक यात्राओं से फायदा मिलेगा। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। आय में सुधार की संभावना है।	धनु 	रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में नए निवेश का मन बना सकते हैं। संतान पक्ष से खुशी का समाचार मिलेगा। आय में वृद्धि के स्पष्ट योग हैं।
कर्क 	पदोन्नति या नए अधिकार मिल सकते हैं। व्यापार में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। परिजनों के साथ संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन संचय के प्रयास सफल रहेंगे।	मकर 	जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, धैर्य रखें। कामजी काम ध्यानपूर्वक निपटाएँ। परिवार में मिलकर मसले सुलझाएँ। खर्चों पर नियंत्रण रखें। विश्राम करें, थकावट महसूस हो सकती है।
सिंह 	आपके फैसले कार्यस्थल पर सराहे जाएंगे। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। प्रेम जीवन में खुशी और नवीनता रहेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा।	कुम्भ 	बुद्धिमानों से सभी कार्य आसानी से बनेंगे। नए सौदों पर मुहर लग सकती है। मित्रों के साथ समय अच्छा बीतेगा। वित्तीय स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, फुर्ती रहेगी।
कन्या 	दपत्तर में सजगता और सावधानी से काम लें। व्यापारिक लेन-देन में सतर्कता बरतें। परिजनों के साथ बातचीत में संयम रखें। बजट के अनुसार ही खर्च करें।	मीन 	आपके सुझावों को सराहना मिलेगी। व्यापार में लाभ के मौके बढ़ेंगे। घर में मांगलिक माहौल रहेगा। धन संचय में सफलता मिलेगी। मानसिक शांति और सेहत अच्छी रहेगी।



बोलीं- यश ने यह किरदार निभाया और इसके बदले सभी का प्यार जीता

रावण का किरदार कोई नहीं करना चाहता: साई पल्लवी

मुझसे अच्छी बुराई कोई दिखा नहीं सकता। फिर जब अभिनेता से पूछा गया कि तो क्या आपने पर्दे पर बुरा आदमी बनने की जिम्मेदारी ले ली है? इसके जवाब में यश ने कहा, जब मैं अच्छा किरदार भी करूंगा ना, मुझसे अच्छा कोई भी नहीं होगा। यश ने आगे कहा, रावण को देखकर लगना चाहिए कि इसको कैसे मारा जाए? हम सभी ने अपने अहंकार को एक तरफ रख दिया है। रामायण में बात मेरे स्टारडम या एक स्टार के तौर पर मेरी पहचान की नहीं है। इस प्रोजेक्ट पर सबसे अच्छे लोग काम कर रहे हैं। इसका पहला पार्ट अक्टूबर 2026 में दिवाली से पहले दुनियाभर में रिलीज होने वाला है। जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म रामायण को करीब 4,000 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बनाया गया है।

सैफ अली खान सबसे कूल पति है: करीना कपूर

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म रामायण को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में मेकर्स और फिल्म की कास्ट भारत के अलग-अलग शहरों में जाकर जोर-शोर से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट में फिल्म में सीता का किरदार निभा रही साई पल्लवी ने फिल्म में रावण की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की। साई पल्लवी ने कहा कि यश ने इस किरदार को पूरी तरह अपना लिया और लोगों की नफरत के बजाय उनका प्यार हासिल किया। साई पल्लवी ने कहा, कोई भी रावण का किरदार नहीं निभाना चाहता, क्योंकि इस किरदार के साथ नफरत जुड़ी होती है, लेकिन यश ने यह किरदार निभाया और इसके बदले सभी का प्यार जीता। इससे पहले एक बातचीत में यश ने बताया था कि फिल्म के सह-निर्माताओं में से एक होने के बावजूद उन्होंने भगवान राम के बजाय रावण का किरदार निभाने का फैसला क्यों किया। यश ने कहा था, राम की भलाई दिखाने के लिए रावण की बुराई भी तो चाहिए। अपनी एक्टिंग पर भरोसा जताते हुए यश ने कहा,

सैफ अली खान ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कदम रखा है। तब से वह फैंस को बड़े पर्दे के बाहर की अपनी जिंदगी की झलकियां दिखा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने घर पर गिटार बजाते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस पर करीना से उनकी बात ने फैंस का ध्यान खींचा है। सैफ ने अपनी बालकनी में एक शानदार जैमिंग स्पेस तैयार किया, जहां एम्पलीफायर और संगीत के अन्य उपकरण मौजूद थे। उन्होंने कैप्शन में लिखा, रिदम तो मिल गई, पर टेम्पो भटक गया, फिर भी बहुत मजा आया। इस वीडियो में सैफ का संगीत के प्रति लगाव तो दिखा



ही, मगर कमेंट सेक्शन में उनकी पत्नी करीना कपूर के साथ हुई एक प्यारी सी बातचीत ने सबका ध्यान खींच लिया। करीना ने कमेंट किया, दुनिया में सबसे कूल पति किसका है? क्या मैं कह सकती हूँ कि मेरा? इस पर सैफ ने बड़े मजेदार अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने लिखा, प्लीज नजर मत लगाना! सैफ अली खान के इस जवाब को 7 हजार से ज्यादा फैंस ने लाइक किया है। इससे पहले भी सैफ की एक बात ने फैंस का ध्यान खींचा था। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में करीना ने बताया कि सैफ को उन्हें प्रपोज करने के लिए एक या दो बार नहीं बल्कि तीन बार कोशिश करनी पड़ी। तब जाकर उन्होंने हां कहा। करीना ने बताया, उन्होंने मुझे मुंबई में प्रपोज किया, फिर ग्रीस में और उसके बाद पेरिस में। तब जाकर मैंने हां कहा। इस पर सैफ ने मजाक करते हुए कहा, अगर तुमने मुंबई में ही हां कह दिया होता, तो मेरे काफी पैसे बच जाते!

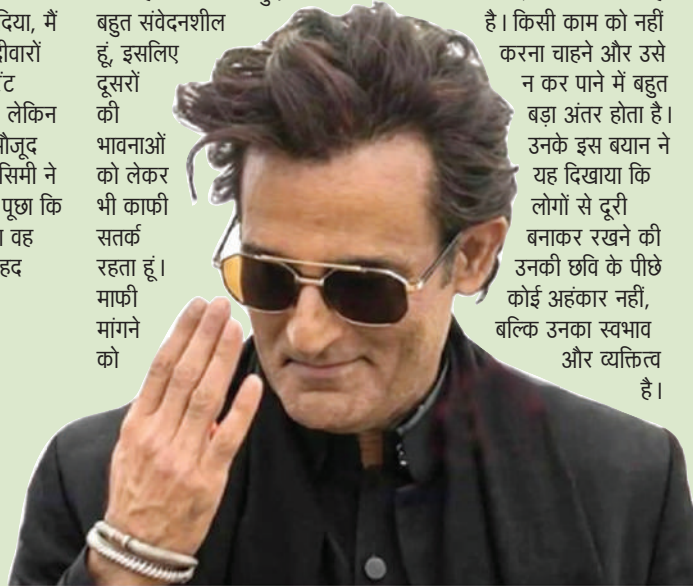
गलती करता नहीं, हो जाती है: अक्षय खन्ना

बॉलीवुड एक्टर अक्षय खन्ना अपनी बेहतरीन एक्टिंग क्षमता के साथ-साथ लाइफ को काफी प्राइवेट तरीके से जीने के लिए भी जाने जाते हैं। वह न तो सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल कार्यक्रम में नजर आते हैं। शूटिंग से फुर्सत मिलने पर वह अपना अधिकतर समय अलीबाग वाले घर में बिताना पसंद करते हैं। कई साल पहले सिमी गरेवाल के एक चैट शो में पहुंचने पर एक्ट्रेस होस्ट ने अक्षय खन्ना की पर्सनैलिटी के इस रहस्यमयी पहलू को समझने की कोशिश की थी। बातचीत के दौरान सिमी ने कहा था कि अक्षय अपने आसपास एक तरह की दीवार खड़ी कर लेते हैं, जिससे लोग उनसे दूर हो जाते हैं। इस पर अक्षय ने जवाब दिया, मैं शायद अब उन दीवारों को थोड़ा ट्रांसपैरेंट दिखाने लगा हूँ, लेकिन वे अब भी मौजूद हैं। जब सिमी ने उनसे पूछा कि क्या वह बेहद

संवेदनशील और भावुक हैं? तो अक्षय ने इसे स्वीकार करते हुए कहा, जो लोग मेरे बेहद करीब होते हैं, उनके प्रति मैं बहुत संवेदनशील हूँ। उनकी छोटी-सी बात भी मुझे गहराई से प्रभावित कर देती है। अक्षय ने यह भी माना कि वह किसी का दिल दुखाना नहीं चाहते, लेकिन कई बार अनजाने में ऐसा हो जाता है। उन्होंने कहा, बाद में मुझे इसका पछतावा होता है और मैं सोचता हूँ कि दोबारा ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन कभी-कभी गलती हो ही जाती है। क्योंकि मैं खुद बहुत संवेदनशील हूँ, इसलिए दूसरों की भावनाओं को लेकर भी काफी सतर्क रहता हूँ। माफी मांगने को

लेकर अपने विचार शेयर करते हुए अक्षय ने कहा कि उन्हें कभी भी सॉरी बोलने में परेशानी महसूस नहीं हुई। उन्होंने कहा, माफी मांगना बहुत अच्छी बात है। यह बेहद आसान है और आपको राहत भी देती है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों से मिलना-जुलना और उन्हें जानना अच्छा लगता है, लेकिन यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से आसान नहीं है। अक्षय ने कहा, मुझे लोगों से मिलना और उन्हें समझना अच्छा लगता है, बस मेरे पास यह करने की वो क्षमता या टैलेंट नहीं है। किसी काम को नहीं करना चाहने और उसे न कर पाने में बहुत बड़ा अंतर होता है। उनके इस बयान ने यह दिखाया कि लोगों से दूरी बनाकर रखने की उनकी छवि के पीछे कोई अहंकार नहीं, बल्कि उनका स्वभाव और व्यक्तित्व है।

बोले- दूसरों की भावनाओं को लेकर भी काफी सतर्क रहता हूँ



पुरुष प्रधान फिल्मों में काम करने को महिलाएं मजबूर: राधिका

राधिका आप्टे इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज अक्का को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में महिलाओं की स्थिति के बारे में बात की है। अभिनेत्री का कहना है कि हिंदी सिनेमा में महिला कलाकारों को अक्सर ऐसी फिल्मों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका में होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि महिला-प्रधान फिल्मों के लिए एक अच्छी थिएट्रिकल रिलीज पाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कोई महिला-प्रधान फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तभी अच्छी शुरुआत कर सकती है, जब उसमें आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी स्टार्स मुख्य भूमिका में हों। राधिका आप्टे की हालिया फिल्म लस्ट स्टोरीज 3, साली मोहब्बत, मिसेज अंडरकवर और मोनिका- ओ माय डार्लिंग सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई थीं। हालांकि राधिका का कहना है कि उन्होंने फिल्मों का चुनाव इस आधार पर नहीं किया कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होंगी या ओटीटी पर। उन्होंने कहा, मैं इस आधार पर

बोलीं- आलिया-दीपिका की फिल्म कर सकती है अच्छी ओपनिंग

कोई प्रोजेक्ट नहीं चुनती कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगा या ओटीटी पर। मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। मैं बस यही चाहती हूँ कि फिल्म किसी न किसी तरह दर्शकों तक पहुंच जाए। राधिका ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में थिएट्रिकल रिलीज के मामले में यह समझना मुश्किल हो गया है कि क्या चलेगा और क्या नहीं। अगर कोई ऐसी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होती है, जिसमें मैं मुख्य भूमिका में हूँ, तो वह शायद फ्लॉप हो जाए, भले ही वह कितनी भी बेहतरीन फिल्म क्यों न हो। मैं आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी स्टार नहीं हूँ, जिनके मामले में कम से कम यह उम्मीद तो की जा सकती है कि फिल्म की ओपनिंग अच्छी होगी। मैं आपसे बिल्कुल ईमानदारी से कह रही हूँ। इसका मतलब यही है कि मुझे ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका निभाते हैं। हालांकि राधिका को आलिया और दीपिका की स्टार पावर पर भरोसा है, मगर इन दोनों अभिनेत्रियों ने भी पिछले कुछ समय से बॉक्स ऑफिस पर कोई बड़ी सोलो हिट नहीं दी है। 2022 में आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी आई थी, जो हिंदी सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान फिल्मों में से एक है। मगर इसके बाद उनकी सोलो फिल्में, जिगरा और अल्फा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही।

रिश्ता खत्म करने का फैसला इमरान का था: अवंतिका

बॉलीवुड एक्टर इमरान खान इन दिनों सीजेपी प्रोटेस्ट में शामिल होने को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब उनकी एक्स वाइफ अवंतिका मलिक ने अपनी शादी और तलाक को लेकर कई खुलासे किए हैं। अवंतिका ने अपनी हालिया बाचचीत में बताया कि वह कभी भी इमरान से अलग नहीं होना चाहती थीं। दोनों के रिश्ते को खत्म करने का फैसला इमरान की तरफ से लिया गया था। हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान उन्होंने अपने रिश्ते के उतार-चढ़ाव और शादी टूटने के पीछे की वजहों पर खुलकर बात की है। अवंतिका मलिक सोहा अली खान के पॉडकास्ट में नजर आई और उन्होंने यहां शादी और तलाक को लेकर बात की। उन्होंने इमरान खान के साथ अपने रिश्ते के बारे में कई बातें शेयर कीं। जब उनसे पूछा गया कि सबसे पहले अलग होने की बात किसने कही थी तो उन्होंने फौरन जवाब देते हुए कहा- इमरान ने। उन्होंने अपने इस रिश्ते के टूटने को लेकर खुलकर बात की और कहा कि दोनों ने ही अपने साथ नाईसाफी की है। अवंतिका ने बताया कि वह इस रिश्ते को खत्म करने के बारे में कभी नहीं सोचतीं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि रिश्ते से बाहर नहीं होतीं तो उन्हें खुद नुकसान उठाना पड़ता लेकिन फिर भी वह अलग होने का फैसला नहीं लेतीं। उन्होंने साफ कहा कि रिश्ता खत्म करने

का फैसला इमरान खान का ही था। तलाक के दौरान हुए दर्द को याद करते हुए अवंतिका ने कहा कि किसी लंबे रिश्ते का खत्म होना किसी बड़े नुकसान की तरह है। उन्होंने कहा कि जब दोनों अलग हुए तो ऐसा लगा जैसे जिंदगी का एक अहम हिस्सा खत्म हो गया हो। कम उम्र में रिश्ते में पड़ने को लेकर अवंतिका ने कहा कि उस समय इंसान को यह समझ नहीं होती कि अपनी खुशी और संतुष्टि की जिम्मेदारी खुद की भी होती है। अक्सर ऐसा लगता है कि सामने वाला व्यक्ति ही हमारी सारी खुशियों के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि वक्त के साथ जब इंसान समझदार होता है, तब उसे एहसास होता है कि रिश्ते में सामने वाले से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें रखना नुकसान पहुंचा सकता है। अवंतिका के मुताबिक, उम्र और अनुभव के साथ रिश्तों को देखने का नजरिया भी बदलता है।



श्याम मीरा सिंह को कुलदीप नैयर पत्रकारिता सम्मान

सभी पत्रकारों ने कहा- नयी उम्मीद के साथ आगे बढ़ेंगे

» कई अन्य पत्रकारों को भी दिए गए पुरस्कार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार हृदयेश जोशी और पत्रकार यूट्यूबर श्याम मीरा सिंह को कुलदीप नैयर पत्रकारिता सम्मान से नवाजा गया है बता दें कि एनडीटीवी छोड़ने के बाद हृदयेश लगातार एनवायरमेंट जर्नलिज्म में सक्रिय हैं। इस पर आधारित उनके कई वीडियो आपको यूट्यूब पर मिल जाएंगे। इसके साथ ही वह लेखन भी कर रहे हैं। वहीं, श्याम मीरा सिंह अपने क्रांतिकारी किस्म के वीडियो और अंदाज के लिए चर्चित हैं। हाल ही में दिल्ली प्रदर्शन के दौरान 40 से अधिक पत्रकारों के साथ उन्हें भी डिटेल किया गया था।

श्याम मीरा सिंह ने कहा कि मुझे एक भीगी भीगी सी लज्जा इस बात पर भी लग रही है कि इस सम्मान की कतार में मुझे वरिष्ठ पत्रकार हृदयेश जोशी के साथ एक ही पंक्ति में खड़ा होना पड़ रहा है। जिनके काम और श्रम के आगे मेरी



अघोषित आपातकाल की त्रासदी लिखने में हिचकते नहीं युवा पत्रकार श्याम

श्याम मीरा सिंह अभिव्यक्ति की आजादी पर बढ़ते अंकुश और एक अघोषित आपातकाल की त्रासदी लिखने सोचने कहने वालों को लगातार डरा रही है ऐसे समय में श्याम मीरा सिंह जैसे साहसी युवा पत्रकार की उपस्थिति आश्वस्त करती है। मधुसूता के श्याम मीरा सिंह ने साल 2017-18 में दिल्ली से हिंदी में पत्रकारिता की पढ़ाई के बाद ईटीवी भारत, इकोनॉमिक टाइम्स, आज तक और न्यूज विलक जैसे संस्थानों में काम किया है। उन्होंने स्ट्राइक नाम से एक चैनल भी शुरू किया है। कॉन्ग्रेस जनता पार्टी के जंतर मंतर आंदोलन के दौरान भी उनकी रिपोर्टिंग ने लाखों का ध्यान खींचा।

दूर दूर तक कोई हैसियत नहीं। अगर वे खड़े हों तो सिवाय सर झुकाकर खड़े रहने के मेरी हिम्मत ना पड़े। फिर भी इस सम्मान की आयोजक समिति का

दिल से धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने हौसला अफजाई के लिए इस सम्मान से मेरे कंधों का भार बढ़ाया और मुझ साधारण आदमी के सम्मान में वृद्धि की।

मैं इस सम्मान का हकदार नहीं हूँ : श्याम मीरा सिंह

लगातार एक महीने पहले गांधी पीस फाउंडेशन की तरफ से सूचना मिली कि मुझे 2025 वर्ष के लिए कुलदीप नैयर पत्रकारिता सम्मान दिया जा रहा है। जिसे पहले पत्रकार रवीश कुमार, अजीत अंजुम, आरफा खानम शेरवानी, निखिल चावले, उर्मिलेश जी को दिया जा चुका है। मैंने शुरुआत में कहा कि मैं इस सम्मान का हकदार नहीं हूँ। इससे अधिक कहने कि हैसियत मेरी नहीं थी। आज गांधी पीस फाउंडेशन की तरफ से इस सम्मान का अनाउंसमेंट किया गया है। जिसे 2024 के लिए सीनियर पत्रकार-हृदयेश जोशी जी को और 2025 के लिए मुझे दिया गया। मैं निजी तौर पर मानता हूँ कि मेरा काम अत्यधिक साधारण और इतना कमतर है कि वह ध्यान ना दिए जाने के योग्य है। मेरा काम- भगवान राम बनाए जाने वाले रामसेतु में उस गिलहरी के काम जितना भर है, जिसके बस का अधिक कुछ नहीं था, सिवाय इतने के कि वह अपने छोटे से शरीर से कुछ मिट्टी घिपकाती और जाकर रामसेतु पर झाड़ देती।

और उन सबका भी आभार जताना चाहता हूँ जिन्होंने मुझे यहां पहुंचाने में अपना अपना हाथ लगाया। आप सबका दिल से बहुत बहुत आभार।

नगर निगम की सख्ती से कतकी मेले के टेंडर ने लगाई छलांग

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के ऐतिहासिक कतकी मेले के टेंडर में इस बार जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। नगर निगम की सख्ती और प्रभावी निगरानी के बीच पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार टेंडर की धनराशि में करीब 1.84 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष 2.77 करोड़ रुपये में उठने वाले मेले के लिए इस बार 4 करोड़ 61 लाख 786 रुपये की बोली को मंजूरी दी गई है। इससे नगर निगम को 66.43 प्रतिशत अधिक राजस्व मिलने का अनुमान है। झूलेलाल वाटिका में गोमती नदी के तट पर आयोजित होने वाला ऐतिहासिक कतकी मेला इस वर्ष 24 नवंबर 2026 से शुरू होकर 7 जनवरी 2027 तक चलेगा। करीब 45 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में पारंपरिक बाजार, खानपान, हस्तशिल्प और मनोरंजन के विभिन्न आकर्षण देखने को मिलेंगे।

नगर आयुक्त गौरव कुमार और अपर नगर

» खजाने में आएंगे 1.84 करोड़ अतिरिक्त

» नगर आयुक्त की निगरानी में 66.43 फीसदी की बढ़ोतरी

आयुक्त अरुण कुमार गुप्त के कड़े अनुश्रवण में निविदा प्रक्रिया संपन्न कराई गई। निविदा समिति की संस्तुति के बाद नगर आयुक्त ने मैसर्स खुशी ट्रेडर्स की वित्तीय बोली को स्वीकृति प्रदान की। नगर निगम के मुताबिक पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखा गया। प्रतिस्पर्धात्मक बोली के चलते निगम को पिछले वर्ष की तुलना में अधिक राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। नगर निगम ने टेंडर स्वीकृत होने के बाद संबंधित फर्म को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि का 50 प्रतिशत हिस्सा 24 घंटे के भीतर नगर निगम के खाते में जमा कराया जाए।

राजेश की ग्रंथ शब्द शिल्पी शलभ का लोकार्पण

» 6 दशकों की यात्रा पर प्रकाशित है पुस्तक

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उप हिन्दी संस्थान के निराला सभागार में वरिष्ठ हास्य कवि, गीतकार, गज़लकार और गायक राजेश अरोरा शलभ की 6 दशकों की यात्रा पर प्रकाशित ग्रंथ शब्द शिल्पी शलभ का लोकार्पण उप्र. हिन्दी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह (सभाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति गोपबन्धु पटनायक (मुख्य अतिथि) एवं विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी के द्वारा किया गया। इस ग्रन्थ का सम्पादन मुरादाबाद के डॉ. महेश दिवाकर द्वारा किया गया है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सर्वप्रथम बोलते हुए महेश दिवाकर ने बताया कि हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में राजेश अरोरा शलभ का अकूत योगदान है। वे बहुआयामी प्रतिभा से सम्पन्न व्यक्ति हैं।

इस ग्रंथ में उनकी 60 वर्षीय सृजन यात्रा



पर शताधिक साहित्यकारों, कलाकारों व समीक्षकों ने उनकी साहित्यिक उपलब्धियों की चर्चा की है। बिम्ब के मुख्य संरक्षक व हास्य कवि सूर्यकुमार पांडेय ने कहा कि कविवर राजेश अरोरा शलभ कलायित्री व भावयित्री दोनों प्रकार की काव्य-कला के धनी हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल रस्तोगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शलभ न केवल खास साहित्यकार हैं, अपितु वे बहुत अच्छे गायक, एक्टर व आयोजक भी हैं। मुख्य अतिथि गोपबन्धु पटनायक ने

शलभ को एक शहर की नहीं, एक पूरी सांस्कृतिक परम्परा की आत्मा बताया। उन्होंने कहा कि शलभ जी ने हास्य रस में तो अपनी विशेष पहचान बनाई ही है, इसके अतिरिक्त गीत व गज़लें भी बहुत अच्छी लिखी हैं। सभाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने बताया कि मैंने राजेश अरोरा शलभ की कई किताबें पूरी पढ़ी हैं और पाया है कि उनकी किसी भी विधा की कविता हो, भाषा, भाव या छंद, हर दृष्टि से बहुत पुष्ट, सार्थक और संदेशवाहक होती हैं।

जनता को डराने और पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा : ममता बनर्जी

» टीएमसी नेता ने भाजपा पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। ममता बनर्जी ने भाजपा पर लोगों को प्रभावित करने के लिए धनबल का इस्तेमाल करने और डराने-धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस की ज्यादतियां बढ़ गई हैं और सरकारी अधिकारी उन्हें धमका रहे हैं।

ममता ने एक बयान में दावा किया कि जिलाधिकारियों, बीडीओ और पुलिस अधीक्षकों का इस्तेमाल लोगों को धमकाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा लोगों को प्रभावित करने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है और डरा-धमका रही है। कल से पुलिस की ज्यादतियां बढ़ गई हैं।

भारत ने दूसरा वनडे 121 रन से जीता

» मैच में जिम्बाब्वे 207 रन पर ऑलआउट, मेजबानों ने बनाई 2-0 की अजेय बढ़त

4पीएम न्यूज नेटवर्क

वडोदरा। हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा के शानदार शतकों के बाद बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा की घातक गेंदबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को दूसरे वनडे मुकाबले में 121 रन से हरा दिया। रविवार को बीसीए स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 328 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 48.5 ओवर में 207 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इस

समय भारत का स्कोर 19 रन पर दो विकेट था। मुश्किल स्थिति में हरमनप्रीत कौर और प्रतिका रावल ने तीसरे विकेट के लिए 124 रन की साझेदारी कर टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। प्रतिका ने 67 गेंदों पर 61 रन बनाए। इसके बाद हरमनप्रीत ने दीप्ति शर्मा के साथ मिलकर भारतीय पारी को मजबूती दी। हरमनप्रीत ने 121 गेंदों पर 126 रन बनाए। हरमनप्रीत और दीप्ति शर्मा ने पांचवें विकेट के लिए 153 रन जोड़े। यह भारतीय महिला टीम की ओर से वनडे में पांचवें या उससे निचले विकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। दोनों ने स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर



के 2022 वनडे विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ बनाए गए 122 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। दीप्ति ने 86 गेंदों पर नाबाद 106 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके शामिल रहे। 329 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने शुरुआत में भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश की। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने मध्य ओवरों में वापसी की और लगातार विकेट चटकाकर मुकाबले का रुख बदल दिया। भारत की जीत में युवा बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा की

तीसरे टी20 में भी नहीं खेलेंगे ईशान किशन

मुंबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के तीसरे मुकाबले से पहले भारतीय टीम को झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन घोट के कारण तीसरे टी20 में भी नहीं खेलेंगे। भारत के गेंदबाजी कोच मोमें मोर्गेल ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि किशन एहतियात के तौर पर घायन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। भारत सीरीज में पहले ही 2-0 की बढ़त बना चुका है। 28 वर्षीय ईशान किशन को पिछले सप्ताह सीरीज के पहले मुकाबले के दौरान दाएं एडवर्टेड मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। जाघ के अंदरूनी हिस्से में मौजूद मांसपेशियों के इस समूह में घोट के कारण वह दूसरे टी20 में भी नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लोडिंग इलेवन में शामिल किया गया था। मोर्गेल ने तैय से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ईशान अच्छी तरह से रिकवर कर रहे हैं। वह आज अभ्यास करेंगे। लेकिन कल के मुकाबले के लिए वह घायन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हम एहतियात के तौर पर यह फैसला ले रहे हैं।

भूमिका अहम रही। वैष्णवी ने अपने 10 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिए। दीप्ति शर्मा ने भी 32 रन देकर तीन विकेट लिए। सायली सतघरे, एन श्री चरणी और जितमणि कलित्ता को एक-एक विकेट मिला।

राहुल गांधी बरी, दलदल में फंसी मोदी-शाह की रणनीति, कोर्ट का बड़ा फैसला

» मोदी उपनाम मामले में गुजरात की अदालत सुना चुकी है उन्हें दो वर्ष की सजा

» राहुल गांधी के काफिले की गाड़ियों के हादसे की जांच के लिए एसआईटी गठित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीति के समंदर में होर्मुज की अहमियत समझिए। दुनिया के तेल कारोबार का बड़ा हिस्सा इसी संकरे रास्ते से गुजरता है। रास्ता बंद होने का खतरा पैदा होते ही जहाजों की रफ्तार थम जाती है

कानूनी दांव-पेचों के झंझावतों से निकलता राहुल का पॉलिटिकल कैरियर

बाजारों की धड़कन बढ़ जाती है और ताकतवर देशों की रणनीति की परीक्षा होने लगती है। भारतीय राजनीति में भी आज एक ऐसा ही संकरा मोड़ दिखाई दे रहा है। जहां एक तरफ राहुल गांधी को घेरने की कोशिशों का लंबा इतिहास आरोपों की अड़चन इन सब के बीच चटपटान की तरह खड़े राहुल गांधी और जनता के भरोसे के बीच आज सुल्तानपुर की अदालत ने अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में राहुल गांधी को बरी कर दिया है। अदालत ने टिप्पणी को मानहानिकारक नहीं माना। इस मानहानि के मुकदमे का सामना राहुल गांधी पिछले आठ साल से कर रहे थे और इस मामले में उन्हें जमानत तक करवानी पड़ी थी। यानि कि मुकदमों के जिस नैरेटिव में राहुल गांधी को फंसा कर उनके राजनीतिक कैरियर को बर्बाद करने की स्ट्रिक्ट बीजेपी थिंक टैंक की तरफ से लिखी गयी थी उसको राहुल गांधी ने भेंद दिया है। क्यों इससे पहले गुजरात की एक अदालत ने उन्हें दो वर्षों की सजा सुनाई थी जिसे बाद में उच्च न्यायालय ने डिसमिस कर दिया था। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि राहुल गांधी एक मुकदमे में बरी हुए।

मुकदमों में फंसाकर पॉलिटिकल कैरियर बर्बाद करने की पटकथा



मानहानि मामले में नेता प्रतिपक्ष पर लगे आरोप भाजपा की साजिश : आराधना

सुल्तानपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मानहानि के मामले में आज भारतीय जनता पार्टी की एक और साजिश का खुलासा हो गया, जिसमें न्यायालय ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष, जननायक राहुल गांधी को केस से बरी करते हुए मुकदमें को खारिज कर दिया। उप कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'गोना' विधायक ने न्यायालय द्वारा राहुल गांधी जी को बरी करने पर इसे एक बड़ी जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह झूठ और बदनाम करने की भाजपा की एक और साजिश बेनकाब हो गयी है। आज के इस निर्णय से न्यायालय के प्रति आम जनता में पुनः विश्वास जागृत हुआ है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या मुकदमों के जरिए किसी नेता की राजनीतिक विश्वसनीयता को स्थायी चोट पहुंचाई जा सकती है। क्या हर आरोप जनता की नजर में दोष सिद्ध कर देता है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है। पहले राजनीति होती थी अब कूटनीति के जरिये राजनीतिक हित साधे जा रहे हैं। साजिशें राजनीति का अहम हिस्सा बन चुकी है। विपक्ष का आरोप है कि बीजेपी सरकार में आरोप, मुकदमे और छापों के जरिये पूरे विपक्ष को तार तार कर दिया गया। बहुत से विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया, बहुत से नेताओं ने डर कर बीजेपी को ज्वाइन कर लिया गया और बहुत से नेताओं को मुकदमों में फंसा कर उनके कैरियर को बर्बाद किये जाने की कोशिश की गयी। राहुल गांधी पर भी दर्ज मुकदमों को विपक्ष इन्हीं आरोपों से देखता है। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने लिया फैसला। 26 अक्टूबर को सुल्तानपुर दौरे के दौरान काफिले के पीछे चल रहे वाहन हुए थे दुर्घटनाग्रस्त। लखनऊ परिक्षेत्र के आईजी

आवाज के नमूने से उच्च न्यायालय तक पहुंचा मामला

इस प्रकरण की कानूनी यात्रा भी कम लंबी नहीं रही। भाजपा नेता विजय मिश्रा की शिकायत पर राहुल गांधी को अदालत में पेश होना पड़ा। वर्ष 2023 में उन्होंने अदालत में उपस्थित होकर जमानत लेनी पड़ी। इसके बाद शिकायतकर्ता की ओर से राहुल गांधी की आवाज के नमूने का बेंगलुरु में दिए गए भाषण की रिकॉर्डिंग से मिलान करने की मांग की गई। निचली अदालत ने यह मांग स्वीकार नहीं की। इसके बाद सत्र न्यायालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय तक चुनौती दी गई लेकिन शिकायतकर्ता को वहां भी राहत नहीं मिली। आखिरकार मुकदमे की सुनवाई पूरी हुई और फैसले की तारीख पहले 13 अक्टूबर निर्धारित की गयी थी जिसे बाद में बदलकर 26 अक्टूबर कर दिया गया। इसी दिन राहुल गांधी अदालत में उपस्थित हुए और फैसला उनके पक्ष में आया। यह घटनाक्रम बताता है कि राजनीतिक व्यक्तित्वों से जुड़े मुकदमों का बाढ़ वर्षों तक चलते हैं। इस दौरान आरोप खबर बनते हैं, बयान राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनते हैं और संबंधित नेता को अदालत में अपना पक्ष रखना पड़ता है। अंत में अदालत का निर्णय ही यह तय करता है कि उस विशेष मामले में कानूनी निष्कर्ष क्या होगा।

राजनीति में नैरेटिव का खेल भी होर्मुज जैसा है

अब इस पूरी कसनी का राजनीतिक सिरा पकड़ते हैं। राहुल गांधी के खिलाफ यह अकेला मुकदमा नहीं रहा है। वर्ष 2023 में मोदी उपनाम संबंधी मानहानि मामले में गुजरात की अदालत ने उन्हें दो वर्ष की सजा सुनाई थी जिसके बाद उनकी लोकसभा सदस्यता चली गयी थी। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने दोषसिद्धि पर रोक लगाई और उनकी सदस्यता बहाल हुई। यानी एक ओर सजा और सदस्यता गंवाने का अनुभव दूसरी ओर सुल्तानपुर में बरी होने की राहत बताती है कि राहुल गांधी की राजनीति का रास्ता सीधा सड़क नहीं बल्कि कानूनी गोड़ों से भरा हुआ है। राजनीति में नैरेटिव का खेल भी होर्मुज जैसा है रास्ता किसके नियंत्रण में है यह अक्सर गजिल से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

अमित शाह को राहुल गांधी ने बताया था हत्या के एक मामले में आरोपी

2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह का उल्लेख करते हुए भाजपा के स्वच्छ राजनीति के दावे पर सवाल उठाया था। राहुल गांधी ने सभा में भाषण के दौरान कहा था कि भाजपा ईमानदार और स्वच्छ राजनीति में विश्वास करने का दावा करती है लेकिन पार्टी अध्यक्ष स्वयं हत्या के एक मामले में आरोपी हैं। राहुल गांधी ने जब यह टिप्पणी की थी उस समय अमित शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। इस भाषण के बाद अगस्त 2018 में सुल्तानपुर जिले के भाजपा नेता विजय मिश्रा ने अदालत में मामला दर्ज कराया था।



किरण एस एसआईटी के अध्यक्ष बनाए गए। अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह और एसपी ट्रैफिक राम कृष्ण चतुर्वेदी एसआईटी में शामिल। हादसे के कारणों, परिस्थितियों और संभावित लापरवाही की

होगी विस्तृत जांच। सुरक्षा, एस्कॉर्ट और यातायात व्यवस्था में चूक के बिंदुओं की भी होगी पड़ताल। एसआईटी को जल्द से जल्द विस्तृत जांच रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को सौंपने के निर्देश।

खरगे की टिप्पणी के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

» कई नेता हिरासत में, पुलिस स्टेशन लाए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ खरगे ने कथित तौर पर आपतिजनक टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के विरोध में दिल्ली भाजपा ने एक बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने वरिष्ठ नेताओं के साथ इस प्रदर्शन का नेतृत्व किया। यह प्रदर्शन सेना भवन सर्किल, राजा जी मार्ग के पास हुआ। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की। पुलिस ने राजा जी मार्ग से हर्ष मल्होत्रा को हिरासत में लिया। उनके साथ दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष राजेश भाटिया और महासचिव मोहन लाल गिहारा भी हिरासत में लिए गए।

लखनऊ में दिनदहाड़े ट्रिपल मर्डर से सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को दिनदहाड़े हुई ताबड़तोड़ फायरिंग से सनसनी फैल गई। नौबस्ता इलाके में जमीन और चबूतरा निर्माण को लेकर चल रहे पुराने विवाद ने ऐसा खूनी रूप लिया कि एक ही परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों में रिटायर्ड सचिवालय कर्मचारी शिवाजी तिवारी, उनके कारोबारी बेटे सुयश तिवारी और भाई शंभू तिवारी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि फायरिंग में शिवाजी तिवारी और उनके बेटे सुयश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल शंभू तिवारी को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद नौबस्ता इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक सुयश तिवारी इलेक्ट्रिक सामानों का



कारोबार करते थे, जबकि उनके पिता शिवाजी तिवारी सचिवालय से सेवानिवृत्त कर्मचारी थे इस तिहरे हत्याकांड ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जब दोनों परिवारों के बीच विवाद पहले ही पुलिस तक पहुंच चुका था, तो आखिर मामला इतनी बड़ी वारदात में कैसे बदल गया? 21 साल पहले सदर के सीरियल किलर भाइयों से जुड़ा तिहरा

जमीन के विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों को गोलियों से भूना

रिटायर्ड सचिवालय कर्मचारी, कारोबारी बेटे और भाई की हत्या; पहले भी पुलिस तक पहुंच चुका था मामला

हत्याकांड, फरवरी 2024 में मलिहाबाद में जमीन विवाद में तीन की हत्या और अब सआदतगंज के नौबस्ता में एक ही परिवार के तीन लोगों का कत्ल। राजधानी लखनऊ में तिहरे हत्याकांड की एक और वारदात ने पुराने मामलों की यादें ताजा कर दी हैं। सोमवार को सआदतगंज के नौबस्ता में चबूतरा निर्माण को लेकर हुए विवाद में रिटायर्ड सचिवालय

बरगद के पेड़ के नीचे चबूतरा बनवाने को लेकर शुरू हुआ विवाद

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शिवाजी तिवारी अपने घर के पास स्थित बरगद के पेड़ के नीचे चबूतरे का निर्माण कराना चाहते थे। सामने रहने वाला शुक्ला परिवार इसका लगातार विरोध कर रहा था। सोमवार को एक बार फिर निर्माण को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते कलसुनी गाली-गालोज और मारपीट में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान दूसरे पक्ष ने ताबड़तोड़ गोलीयां चला दीं।

कर्मचारी शिवाजी तिवारी, उनके बेटे सुयश तिवारी और भाई शंभू तिवारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे पहले वर्ष 2005 में सदर के कुख्यात भाइयों से जुड़ी तिहरे हत्याकांड की वारदात ने राजधानी में सनसनी फैला दी थी। वहीं, 2 फरवरी 2024 को मलिहाबाद के मोहम्मदनगर गांव में पुश्तैनी जमीन की पैमाइश के विवाद में मुनीर अहमद, उनकी पत्नी फरहीन और बेटे हंजला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।